छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-294

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

जेल का जिन्न! 2015 से सलाखों के पीछे है लॉरेंस बिश्नोई, फिर बाहर हो रही वारदातों में कैसे



नई दिल्ली। एक तरफ जेल की ऊंची दीवारें, लोहे की सलाखें और कड़ी सुरक्षा है तो दूसरी तरफ, देश के अलग-अलग हिस्सों में अपराध, धमकियों और जबरन वसूली के मामलों में एक ही नाम बार-बार सामने आता है- लॉरेंस बिश्नोई। इससे उसके बारे में सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। 2015 से जेल में बंद एक गैंगस्टर, आखिर जेल के बाहर होने वाली आपराधिक घटनाओं से कैसे जुड़ा रहता है?क्या जेल में बंद लॉरेंस अपने कथित नेटवर्क के जरिए बाहर की गतिविधियों को प्रभावित करता है? क्या उसके गुर्गे अपने स्तर पर वारदातों अपना दबदबा कायम करने की कोशिश करते हैं?

कोविड काल के आंकड़ों से तुलना भ्रामक 77 प्रतिशत से अधिक ट्रेनें समय पर



नई दिल्ली।रेलवे के मुताबिक, भारी यात्री दबाव के बावजूद ट्रेनों को सुरक्षित-सुविधाजनक और समय पर चलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले 3 वर्षों से यह आंकड़ा 77 प्रतिशत के आसपास या उससे ऊपर बना हुआ है।रेलवे के मुताबिक, भारी यात्री दबाव के बावजूद ट्रेनों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समय पर चलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए बेहतर निगरानी, टाइमटेबल में सुधार, रखरखाव और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018-19 में ट्रेनों की समयबद्धता 69।2 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7743 प्रतिशत हो गई। कोविड काल के आंकड़ों संदर्भ से हटकर पेश किया गया बताया है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगीज्त्योहारों पर सफाई को लेकर सीएम रेखा गुप्ता सख्त



नई दिल्ली। दीपावली और अन्य पर्व के दौरान दिल्लीवासियों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राजधानी में सफाई के मामले में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों और एजेंसियों को सफाई व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने, कूड़े के ढेर हटाने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को रिहायशी कॉलोनियों, बड़े बाजारों और प्रमुख मार्केट में रात्रिकालीन सफाई शुरू करने के भी निर्देश दिए,।

केदारनाथ में तापमान माइनस 7सी, राजस्थान में ओले गिरे



देहरादून। राजस्थान के दक्षिणी जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। आज से अगले तीन दिन तक मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 अक्टूबर से नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। वहीं, पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।मध्य प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में पिछले 5 दिन से आंधी-बारिश हो रही है। अगले 2 दिन भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। मंगलवार को रतलाम, महू समेत कई जगहों पर बारिश हुई। 12एष्ट से नीचे रहा।

वीर जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा का नया अध्यायः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता हमारे वीर पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। दशकों तक नक्सल हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बना है। इस ऐतिहासिक परिवर्तन के पीछे उन असंख्य वीर जवानों का त्याग और बलिदान है, जिन्होंने प्रदेश और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अमर शहीदों का बलिदान सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय साय ने आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के प्रांगण में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों की ओर से अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने शहीद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की एकता, अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की अमर शौर्यगाथा को स्मरण करने का दिन है। हमारे पुलिस और सुरक्षा बल कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी वीरता और समर्पण के कारण ही समाज में शांति और सुरक्षा का वातावरण सुनिश्चित होता है।



पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने अमर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों का किया सम्मान

उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में भारत-तिब्बत सीमा पर तैनात भारतीय पुलिस के जवानों ने चीनी सैनिकों के एक बड़े दस्ते का अदम्य साहस के साथ सामना किया था। इस संघर्ष में हमारे 10 वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उन सभी पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी है।

'नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में जवानों ने रचा शौर्य का इतिहास'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए इस वर्ष का पुलिस स्मृति दिवस विशेष महत्व रखता है। प्रदेश ने नक्सलवाद के विरुद्ध लंबे संघर्ष के बाद शांति, सुरक्षा और विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता में छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों का योगदान अविस्मरणीय है।उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने जीवन की परवाह किए बिना नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष किया। उनके अदम्य साहस और पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता सुनिश्चित हुई है। अनेक जवानों ने इस संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और बलिदान छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में नक्सलवाद के उन्मूलन का संकल्प साकार हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों तथा सुरक्षा बलों के साहस से बस्तर में शांति और विश्वास का नया वातावरण बना है।





घायल उमेश चौहान के शरीर से निकाली गई गोली

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में गोली लगने से घायल उमेश चौहान का मुंबई के च्श्वरू अस्पताल में इलाज जारी है। अस्पताल प्रशासन की ओर से 21 अक्टूबर 2026 को जारी मेडिकल अपडेट के मुताबिक, बुधवार सुबह 8 बजे सर्जरी कर उनके शरीर से गोली निकाल दी गई। फिलहाल वे अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में हैं।

कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी ऑपरेशन थिएटर में सुबह 8 बजे हुई सर्जरी के दौरान जनरल एनेस्थीसिया देकर गोली निकाली गई। विभाग के प्रमुख डॉ। उदय एकनाथ जाधव और सर्जरी विभाग के यूनिट प्रमुख डॉ। राम प्रजापति ने किया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उमेश चौहान को पोस्ट-ऑपरेटिव निगरानी और मॉनिटरिंग के लिए श्वस्क्राइटेंसिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया।अस्पताल के मुताबिक, उमेश चौहान ने सर्जरी को अच्छी तरह सहन किया। फिलहाल, उनके स्वास्थ्य के सभी महत्वपूर्ण संकेत स्थिर हैं और डॉक्टर लगातार उन पर नजर रखे हुए हैं। बताया जा रहा है कि गोली शरीर के एक संवेदनशील हिस्से में फंसी हुई थी, इसलिए डॉक्टर जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहते थे। विशेषज्ञों से सलाह लेने और पूरी मेडिकल जांच के बाद सर्जरी करने का फैसला लिया गया।

जुहू में हुई थी गोलीबारी की घटना

यह घटना रविवार शाम मुंबई के जुहू इलाके में हुई। उस समय टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल ग्राउंड पर पहुंचे थे। वहां उमेश चौहान भी मौजूद थे, जो अभिनेता से मिलना चाहते थे और उनका एक वीडियो बनाना चाहते थे। इसी दौरान, टाइगर की कार के पास खड़े उमेश को एक गोली लग गई। बाइक सवार तीन लोगों ने टाइगर पर सात राउंड गोलियां चलाई थीं। हालांकि बाद में आरोपियों को कोटा से गिरफ्तार कर लिया गया।गोलीबारी की इस घटना में टाइगर श्रॉफ तो सुरक्षित रहे, लेकिन उनकी कार के ड्राइवर और व्लॉगर उमेश चौहान घायल हो गए। उमेश के शरीर में एक गोली फंस गई थी।

अमेराटीकरा और अड़भाड़ में वित्तीय समावेशी कैम्प आयोजित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिला अग्रणी बैंक द्वारा आज मरवाही विकासखण्ड के ग्राम अमेराटीकरा और पेण्ड्रा विकाखण्ड के ग्राम अड़भाड़ में वित्तीय समावेशी कैम्प आयोजित किया गया। शिविर में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक आरएस बघेल एवं भारतीय स्टेट बैंक पेण्ड्रा शाखा के मुख्य प्रबंधक सुजीत कुमार तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पेण्ड्रा के शाखा प्रबंधक विनय साहू ने ग्राम वासियों को बैंक की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अमेराटीकरा के शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राजेश नन्दनी आर्मो, जनपद सदस्य श्रीमती शिम्पी साहू, सरपंच श्रीमती ललिता परस्ते तथा अड़भाड़ के शिविर में सरपंच श्री लालचंद सोनवानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में बैंकिंग कार्यों से जुड़ी महिलाओं को आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए गतिविधियों का विस्तार करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया गया।



न्यूज इन शॉर्ट



जर्मनी में छत्तीसगढ़ के श्रीमंत झा ने लहराया तिरंगा, पैरा-आर्मरेसलिंग कप में जीता रजत पदक

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने जर्मनी पैरा-आर्मरेसलिंग कप 2026 में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले प्रदेश के प्रतिभाशाली पैरा-आर्मरेसलर श्रीमंत झा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमंत झा ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी अद्भुत प्रतिभा, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए शानदार उपलब्धि हासिल की है। उनकी यह सफलता पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। श्रीमंत झा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर यह सिद्ध किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयासों से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जर्मनी में रजत पदक जीतकर उन्होंने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं की क्षमता और सामर्थ्य को भी विश्व मंच पर प्रदर्शित किया है।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि श्रीमंत झा की यह उपलब्धि विशेष रूप से प्रदेश के युवा और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका संघर्ष, समर्पण और खेल के प्रति जुनून उन सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का हौसला देता है, जो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।श्री चौधरी ने श्रीमंत झा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश के लिए नई उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

ऊंची छलांग से भारत का दोहरा परचम, प्रवीण कुमार ने जीता स्वर्ण तो बंटी ने दिलाया रजत पदक

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की हाई जंप ज64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार और रजत पदक हासिल करने वाले बंटी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। भारतीय पैरा एथलीटों की इस शानदार उपलब्धि ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।श्री चौधरी ने कहा कि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम से जुड़े प्रवीण कुमार ने 2.05 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया एशियाई पैरा गेम्स रिकॉर्ड स्थापित करते हुए लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। वहीं बंटी ने 1.92 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल कर देश की इस स्वर्णिम सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ी है। दोनों खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स की बढ़ती ताकत और विश्वस्तरीय प्रतिभा का शानदार उदाहरण है।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रवीण कुमार और बंटी की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा से साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयासों से सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि देश के लाखों युवाओं, विशेषकर दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है।श्री चौधरी ने कहा कि एशियाई पैरा खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का लगातार शानदार प्रदर्शन देश के खेल इतिहास में नए गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ रहा है।

बाबा गुरु घासीदास जी के सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

बाबा गुरु घासीदास जी के सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज आरंग विकासखंड स्थित सतनाम पंथ की आस्था के प्रमुख केंद्र भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरुगद्दी आसन के दर्शन कर नमन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत के तीन महत्वपूर्ण सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, अहिंसा, करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' हमें भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।



मुख्यमंत्री श्री साय भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री साय भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मभूमि भण्डारपुरी धाम सतनाम पंथ की आस्था के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला हमारी आस्था, सामाजिक एकता और सद्भाव की गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सत्य, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास की यात्रा में कोई भी समाज, वर्ग अथवा क्षेत्र पीछे न रहे, इसी भावना के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

संत रविदास सम्मान के लिए 26 अक्टूबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

सामाजिक समरसता, साहित्य और काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा सामाजिक समरसता, साहित्य और काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय श्संत रविदास सम्मानश् के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में 26 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

संस्कृति विभाग द्वारा संत रविदास जी के सामाजिक समानता, समरसता और मानव कल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा साहित्य एवं काव्य के क्षेत्र में दीर्घकालीन साधना और विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस राज्य स्तरीय सम्मान की स्थापना की गई है। इस पहल के माध्यम से सामाजिक समानता, साहित्यिक सृजन और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य करने वाली प्रतिभाओं को पहचान एवं प्रोत्साहन मिलेगा।

'26 अक्टूबर तक जमा कर सकेंगे आवेदन'

संत रविदास सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में प्रविष्टियां 26 अक्टूबर 2026 को शाम 5रू30 बजे तक जमा की जा सकेंगी। तल, व्यावसायिक परिसर, सेक्टर-27, अटल नगर, नवा रायपुर में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं।

देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर हो रहा आयोजन - केंद्रीय खेल राज्य मंत्री डॉ.खड़से

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की गूँज पूरे राज्य में चलो रे संगी हॉकी खेलबो के रूप में गूँजेगी - उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव



संवाददाता ➤ रायपुर

राज्य सरकार की एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के तहत छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रंगारंग और भव्य शुभारंभ रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया गया। चलव रे संगी हॉकी खेलबो के जीवंत उद्घोष के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा।

इस गरिमामयी उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री डॉ.रक्षा निखिल खड़से ने की। समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा, समारोह में राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष श्री चन्द्रहास चंद्राकर और खेल विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हाकी लीग के ब्रांड एंबेसडर सरदार सिंह, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री राजेश चौहान सहित कई गणमान्य नागरिक और खेलप्रेमी भारी संख्या में मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खड़से ने अपने विचार साझा करते हुए ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर में मजबूत हो रही सड़क एवं पुल अधोसंरचना

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर मरगा नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में तेजी

सकरी पुलिया के कारण आवागमन में होती थी परेशानी पुल निर्माण पूरा होने से क्षेत्रवासियों को मिलेगी बड़ी राहत



संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर में मजबूत हो रही सड़क एवं पुल अधोसंरचना

मरगा नाला पर 4.52 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उच्च स्तरीय पुल, निर्माण कार्य में तेजी

जशपुर से सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों तक आवागमन होगा सुगम, संकरी पुलिया की समस्या से मिलेगी राहत

जशपुर जिले में 22 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण के लिए 109 करोड़ रुपये की स्वीकृति, दूरस्थ अंचलों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधाओं का विस्तार करने के लिए पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर-सन्ना मार्ग पर मरगा नाला में 4 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जा रहा है। इस पुल के निर्माण से जशपुर जिले का सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों की ओर सड़क संपर्क और अधिक सुगम होगा। साथ ही स्थानीय नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर में मजबूत हो रही सड़क एवं पुल अधोसंरचना

मरगा नाला पर वर्तमान में स्थित संकरी पुलिया के कारण लंबे समय से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। पुलिया की चौड़ाई कम होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती थी और कई बार यातायात बाधित होने की स्थिति बन जाती थी। विशेष रूप से बड़े वाहनों के आवागमन के दौरान परेशानी होती थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से वाहनों के आवागमन में सहूलियत होगी और सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

जशपुर से सरगुजा संभाग के अन्य जिलों तक बेहतर होगा सड़क संपर्क

जशपुर-सन्ना मार्ग क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क संपर्क व्यवस्था का हिस्सा है। यह मार्ग जशपुर जिला मुख्यालय को सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों की ओर जाने वाले मार्गों से जोड़ता है। मरगा नाला पर उच्च स्तरीय पुल बनने से इन जिलों के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा और क्षेत्रीय संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी।पुल निर्माण से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। किसानों को कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने तथा व्यापारियों को माल परिवहन में भी सहूलियत होगी। इससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

जिले में 22 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण के लिए 109 करोड़ रुपये स्वीकृत

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सड़क एवं पुल अधोसंरचना के विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन की सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 22 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण के लिए लगभग 109 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन पुलों के निर्माण से ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध होगा तथा लोगों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी।जशपुर जिले के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में नदी-नालों के कारण विशेष रूप से वर्षा ऋतु के दौरान आवागमन प्रभावित होता है। जलस्तर बढ़ने पर छोटी पुलिया और निचले मार्गों से गुजरना कठिन हो जाता है। ऐसे स्थानों पर उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण होने से वर्षभर सुरक्षित और सुचारु आवागमन की व्यवस्था विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे दूरस्थ गांवों की जिला मुख्यालय और अन्य प्रमुख स्थानों तकपहुंच अधिक सुविधाजनक होगी।जिले में उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण केवल आवागमन की सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा-श्री चौधरी

आजाद हिन्द फौज के स्थापना दिवस पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने वीर स्वतंत्रता सेनानियों को किया

संवाददाता ➤ रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आजाद हिन्द फौज के स्थापना दिवस पर मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सभी वीर सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि आजाद हिन्द फौज भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान का गौरवशाली प्रतीक है। मां भारती को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए आजाद हिन्द फौज के वीर सेनानियों ने जिस शौर्य और समर्पण का परिचय दिया, वह सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज ने देश की स्वतंत्रता के संघर्ष को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की।



श्जय हिन्दश् और %दिल्ली चलो% जैसे ओजस्वी नारों ने देशवासियों के हृदय में राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता की भावना को और प्रबल किया। आजाद हिन्द फौज के वीर सेनानियों ने कठिन परिस्थितियों में भी मातृभूमि की स्वतंत्रता के संकल्प को सर्वोपरि रखा।उन्होंने कहा कि आजाद हिन्द फौज का इतिहास हमें सिखाता है कि राष्ट्र की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प, एकता और त्याग की भावना आवश्यक है। इन वीर सेनानियों का संघर्ष केवल स्वतंत्रता प्राप्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा, साहस और समर्पण का अमूल्य संदेश दिया।

नगर सैनिकों के लिए खुशखबरी : मानदेय बढ़कर 30,870 प्रतिमाह मिलेगा

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे स्वयंसेवी नगर सैनिकों) के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य शासन द्वारा नगर सैनिकों के मानदेय में एक बार फिर से भारी बढ़ोतरी की गई है। नए प्रस्ताव के अनुसार, अब सैनिकों का कुल मानदेय बढ़ाकर 30,870 रूपए प्रतिमाह (यानी 1,029 रूपए प्रतिदिन) किया जा रहा है। इस फैसले से प्रदेश के लगभग 7,900 नगर सैनिकों और उनके परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

गृह विभाग द्वारा तैयार किए गए नए प्रस्ताव के मुताबिक मूल मानदेय 19,500 रूपए प्रतिमाह, महंगाई भत्ता (58 प्रतिशत) 11,310 रूपए, वर्दी धुलाई भत्ता 60 रूपए इस प्रकार कुल प्रस्तावित मानदेय 30,870 रूपए प्रतिमाह मिलगा।

नगर सैनिकों के मानदेय में समय-समय पर संशोधन किया जाता रहा है। वर्ष 2017 गृह विभाग के आदेश से मानदेय में 3,200 रूपए की वृद्धि कर इसे 10,000 रूपए से बढ़ाकर 13,200 रूपए प्रतिमाह किया गया था। 30 मई 2023 इसके बाद 1 अप्रैल 2023 से मानदेय में 6,300 रूपए की और वृद्धि की गई, जिससे यह बढ़कर 19,500 रूपए प्रतिमाह हो गया था।

वर्तमान में माननीय न्यायालय के निर्देशों, लगातार बढ़ती महंगाई तथा नगर सैनिकों द्वारा ड्यूटियों के दौरान कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं में दिए जा रहे उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए गृह विभाग ने यह अनुशंसा की है। शासन के इस कदम से न केवल नगर सैनिकों को आर्थिक संबल (मजबूती) प्राप्त होगी, बल्कि उनका मनोबल और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता भी और अधिक मजबूत होगी। स्वयंसेवी नगर सैनिकों ने मानदेय में हुई इस बढ़ोत्तरी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किए हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

धमतरी में जल संरक्षण और आजीविका की नई क्रांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मनरेगा और जल संरक्षण अभियानों के तहत सामुदायिक डबरी निर्माण, नया तालाब, चेकडैम और सोक पिट जैसी संरचनाओं से भूजल स्तर में सुधार हो रहा है। इससे किसान धान के अलावा सब्जी, फल, फूल और मत्स्य पालन जैसी नकदी फसलों से जुड़कर अपनी आय और ग्रामीण आजीविका को नई मजबूती दे रहे हैंछत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को नई मजबूती देने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पहल की शुरुआत की गई है। वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत जिले में 1.72 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से 34 सामुदायिक डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। यह पहल न केवल वर्षा जल का संचयन करेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगी ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर वर्षा पर निर्भर खेती करने वाले किसानों के लिए ये सामुदायिक डबरियां वरदान साबित होंगी। वर्षा जल को एकत्रित कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप उपयोग में लाया जाएगा। इससे भूजल स्तर में सुधार होने के साथ-साथ जल प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। ?सामुदायिक डबरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक ही जल संरचना का लाभ सामूहिक रूप से कई परिवारों को मिलेगा, जिससे ग्रामीणों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति साझा जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना मजबूत होगी।

मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने निर्माणाधीन डबरियों का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

धमतरी। जिले में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा कृषि आधारित आजीविका के नए अवसर विकसित करने की दिशा में जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने कुरुद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चर्रा स्थित उद्यानिकी महाविद्यालय में मखाना उत्पादन के लिए निर्माणाधीन डबरी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए डबरी की गहराई, कार्य की गुणवत्ता, श्रमिकों की उपस्थिति, मस्टर रोल के संधारण तथा सृजित मानव दिवस की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने श्रमिकों की उपस्थिति का नियमित संधारण करने तथा मस्टर रोल में कार्यरत श्रमिकों एवं सृजित मानव दिवस का सही-सही अभिलेखन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।उद्यानिकी महाविद्यालय की मांग के आधार पर जिले के ग्राम चर्रा, मोंगरा, कातलबोड़ एवं बानगर में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन जल संरचनाओं के विकास से मखाना उत्पादन के लिए आवश्यक जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में मदद मिलेगी। साथ ही, स्थानीय स्तर पर कृषि एवं उद्यानिकी आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाएं विकसित होंगी।सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम चर्रा में आंगनबाड़ी केंद्र का भी अवलोकन किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने महतारी सदन के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य समय पर पूर्ण कराएं, ताकि इन परिसंपत्तियों का लाभ संबंधित हितग्राहियों एवं समुदाय को मिल सके। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत श्री अमित सेन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सागर स्कूल भटगांव में नवरात्रि अष्टमी पर भव्य गरबा उत्सव

बच्चों से लेकर पालकों तक ने किया डांडिया





संवाददाता ➤ भटगांव

सागर उच्चतर माध्यमिक स्कूल भटगांव में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर भव्य गरबा का आयोजन किया गया। जहाँ स्कूल प्रांगण में पंडाल सजाया गया था। बच्चों, स्टाफ, पालकों और अतिथियों ने एक साथ गरबा-डांडिया की प्रस्तुति दी। गरबा डांडिया की शुरुवात प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं पत्रकार के. पी. पटेल, स्कूल डायरेक्टर दीपक डडसेना एवं अन्य अतिथि के कर कमलों से हुआ.कार्यक्रम के शुरुवात मे स्कूल के प्रिंसिपल प्रेम कुमार साहू ने अपने धर्म पत्नी के साथ डांडिया किया तत्पश्चात पार्षद श्रीमती रेणुका सोनी एवं अन्य अतिथियों ने भी गरबा डांडिया कर कार्यक्रम का शोभा बढ़ाया.वहीं कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पार्षद श्रीमती रेणु मुकेश सोनी प्रमाण पत्र एवं 5000 का नगद पुरुष्कार देकर सम्मानित भी किया। स्कूल प्के डायरेक्टर ने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि पर बच्चों में संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन किए जा रहे है.कार्यक्रम के सफल आयोजन मे स्कूल डायरेक्टर, प्रिंसिपल एवं पुरे स्टॉफ सहित बच्चों का विशेष सहयोग रहा।

ट्राइफेड द्वारा 24 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक रायपुर के टाउन हॉल में किया जा रहा है आयोजन

निवेदन हैं कि, यह समाचार आपके समाचार पत्र में जरूर प्रकाशित करें, धन्यवाद।

रायपुर में 24 अक्टूबर से 'आदि बाज़ार 2026' का आयोजन; देशभर के जनजातीय कारीगरों के पारंपरिक शिल्प और उत्पादों का होगा भव्य प्रदर्शन

संवाददाता ➤ रायपुर

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित (ट्राइफेड) द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आगामी 24 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक 'आदि बाज़ार 2026' का आयोजन किया जा रहा है। देश की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपरा एवं स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह 10 दिवसीय प्रदर्शनी रायपुर स्थित घड़ी चौक के समीप, कलेक्ट्रेट परिसर के टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी।

यह आयोजन देश की विविधतापूर्ण जनजातीय विरासत को आम नागरिकों तक पहुँचाने तथा दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले जनजातीय कारीगरों को अपने उत्पादों के विपणन हेतु प्रत्यक्ष मंच उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों के जनजातीय शिल्पकार अपने पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, जनजातीय आभूषण, मनमोहक चित्रकला, बाँस एवं काष्ठ शिल्प तथा प्राकृतिक व वन-आधारित जैविक उत्पादों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगे।ट्राइफेड का प्रमुख ध्येय बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर जनजातीय उद्यमियों और कारीगरों को सीधे राष्ट्रीय बाज़ार व उपभोक्ताओं से जोड़ना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि और सतत आजीविका सुनिश्चित हो सके। 'आदि बाज़ार' जैसे मंच न केवल जनजातीय कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण को गति देते हैं, बल्कि पीढ़ियों से संजोई गई पारंपरिक शिल्पकला एवं ज्ञान को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान भी दिलाते हैं।ट्राइफेड क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने रायपुरवासियों, कला प्रेमियों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस प्रदर्शनी में उपस्थित होकर जनजातीय कारीगरों का उत्साहवर्धन करें और स्वदेशी जनजातीय उत्पादों की खरीदारी कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण व संवर्धन में अपना योगदान दें।

प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की बहनों ने भटगांव में की माँ दुर्गा की जीवनी प्रदर्शनी

जीवंत झांकी बनी आकर्षण का केंद्र





संवाददाता ➤ भटगांव

नगर पंचायत भटगांव के वार्ड क्रमांक 01 में नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों द्वारा माँ दुर्गा की जीवनी पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा माँ दुर्गा के जीवंत स्वरूपों की झांकी प्रस्तुत की गई। लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती के रूप में सजी बच्चियों ने मंच पर मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं युवा पत्रकार के. पी. पटेल, पत्रकार योगेश केशरवानी, डॉक्टर आदित्य एवं संस्थान के बहनों ने अपने कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया । ब्रह्माकुमारी बहनों ने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति के प्रतीक माँ दुर्गा के आदर्शों और उनके 9 रूपों की महिमा को जन-जन तक पहुँचाना है।।र्यक्रम में बड़ी संख्या में वार्डवासी और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

राज्य के प्रतिभावान एवं निम्न आय वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित उच्च व्यावसायिक संस्थानों में अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के तहत शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 30 अक्टूबर तक पंजीकृत डाक से अथवा स्वयं उपस्थित होकर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय में जमा कर सकते हैं। योजना के तहत आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस, एनआईटी एवं आईआईआईटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में चयन के बाद प्रवेश प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आवेदन का प्रारुप सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के कार्यालय से अथवा विभागीय पोर्टल ेजजचेरूध्ध्मासंअलंण्बहण्दपबण्पद से प्राप्त किया जा सकता है।

योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है। विद्यार्थी की जाति छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल होना चाहिए। साथ ही संबंधित संस्थान में चयन की पात्रता एवं



चयनित होने का प्रमाण-पत्र तथा प्रवेश के लिए संस्थान द्वारा जारी सूचना पत्र होना आवश्यक है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पालक की वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। शासकीय सेवकों के आश्रित इस योजना के पात्र नहीं होंगे, हालांकि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बच्चे योजना का लाभ ले सकेंगे। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में स्वीकार किए जाएंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड-03 एवं भृत्य पदों की पात्र-अपात्र सूची जारी

29 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकते हैं दावा-आपत्ति

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 21 अक्टूबर 2026/महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड-03 एवं भृत्य के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदनों की जांच के बाद तैयार पात्र-अपात्र सूची जिले की वेबसाईट222.पर तथा कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। जारी सूची के संबंध में किसी भी अभ्यर्थी को आपत्ति होने पर वे 29 अक्टूबर तक स्पीड पोस्ट, रजिस्टर्ड डाक अथवा कुरियर के माध्यम से आवश्यक साक्ष्य एवं



दस्तावेजों सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

1.72 करोड़ रुपये से बन रहीं 34 सामुदायिक डबरियां

धमतरी में जल संरक्षण और आजीविका की नई क्रांति

वीबी-जी रामजी योजना के तहत भूजल संवर्धन और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की अनूठी पहल

वर्षा जल संचयन के साथ कृषि, मत्स्य पालन व आजीविका के खुलेंगे नए द्वार

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मनरेगा और जल संरक्षण अभियानों के तहत सामुदायिक डबरी निर्माण, नया तालाब, चेकडैम और सोक पिट जैसी संरचनाओं से भूजल स्तर में सुधार हो रहा है। इससे किसान धान के अलावा सब्जी, फल, फूल और मत्स्य पालन जैसी नकदी फसलों से जुड़कर अपनी आय और ग्रामीण आजीविका को नई मजबूती दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को नई मजबूती देने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पहल की शुरुआत की गई है। वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत जिले में 1.72 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से 34 सामुदायिक डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। यह पहल न केवल वर्षा जल का संचयन करेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगी।



जल संरक्षण से संवरेगा गांव का भविष्य

ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर वर्षा पर निर्भर खेती करने वाले किसानों के लिए ये सामुदायिक डबरियां वरदान साबित होंगी। वर्षा जल को एकत्रित कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप उपयोग में लाया जाएगा। इससे भूजल स्तर में सुधार होने के साथ-साथ जल प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। ?सामुदायिक डबरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक ही जल संरचना का लाभ सामूहिक रूप से कई परिवारों को मिलेगा, जिससे ग्रामीणों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति साझा जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना मजबूत होगी।

कृषि और मत्स्य पालन से बढ़ेंगे कमाई के साधन

डबरियों में संचित जल का उपयोग केवल सिंचाई और खेती तक सीमित नहीं रहेगा। पर्याप्त जल उपलब्धता और तकनीकी अनुकूलता के आधार पर विभागीय नियमानुसार मत्स्य पालन जैसी आय-वर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इससे ग्रामीण परिवारों को कृषि के साथ-साथ आजीविका के अतिरिक्त और टिकाऊ अवसर प्राप्त होंगे।

गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर

निर्मित परिसंपत्तियों के दीर्घकालिक लाभ के लिए निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता का सख्त पालन किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि सामुदायिक डबरी निर्माण जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक दूरगामी कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर स्थानीय जल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। जनपद पंचायतों और मैदानी अमले को कार्यों की नियमित निगरानी तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सामुदायिक सहभागिता से टिकाऊ विकास

योजना का एक प्रमुख पहलू ग्रामीणों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। सामुदायिक सहभागिता से इन निर्मित परिसंपत्तियों का उचित रखरखाव संभव होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों को भी इनका दीर्घकालिक लाभ मिलता रहेगा। धमतरी जिले की यह पहल राज्य के अन्य जिलों के लिए भी जल प्रबंधन और ग्रामीण सशक्तिकरण का एक बेहतरीन मॉडल पेश करती है।

न्यूज इन शॉर्ट

युवा रत्न सम्मान' हेतु जिले के पात्र युवाओं एवं संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अविस्मरणीय कार्यों, सेवाओं तथा अभिनव प्रयासों को मान्यता देने और युवाओं में राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करने की भावना विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 से 'युवा रत्न सम्मान' योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।अपर कलेक्टर एवं प्रभारी जिला खेल अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य हेतु 2.5 लाख एवं 5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि (एक युवा तथा एक स्वैच्छिक संगठन को) प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, युवा रत्न सम्मान (महिला एवं बाल विकास), मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन, कला एवं संगीत तथा लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्र में एक युवा को एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि, पदक, प्रमाण पत्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास श्रेणी का सम्मान केवल महिलाओं व बालिकाओं को ही प्रदान किया जाएगा। किसी भी व्यक्ति, संगठन या संस्था को एक श्रेणी का सम्मान एक से अधिक बार नहीं दिया जाएगा।

अस्वच्छ परिस्थितियों में मिठाई निर्माण पाए जाने पर रमन स्वीट्स

धमतरी। त्योहारी सीजन के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला धमतरी द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मिठाई निर्माण के दौरान अस्वच्छ परिस्थितियां पाए जाने तथा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने पर रमन स्वीट्स मिठाई कारखाने का एफ.एस.एस.ए.आई. लाइसेंस एक दिन के लिए निलंबित किया गया है।मुख्य कार्यपालन अधिकारी, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, छत्तीसगढ़ श्री दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार त्योहारी सीजन में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री फनेश्वर पिथौरा द्वारा 21 अक्टूबर 2026 को रमन स्वीट्स मिठाई कारखाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारखाने में अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण किया जाना पाया गया। साथ ही खाद्य पदार्थों के निर्माण में खाद्य सुरक्षा एवं मानक (अनुज्ञापन और रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 2011 की अनुसूची-4 में निर्धारित स्वच्छता संबंधी प्रावधानों एवं मानक संचालन प्रक्रियाओं का अनुपालन नहीं पाया गया।निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा कारखाने का लाइसेंस एक दिन के लिए निलंबित करने की अनुशंसा की गई। इसके पश्चात अभिहित अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला धमतरी द्वारा रमन स्वीट्स मिठाई कारखाने का एफ.एस.एस.ए.आई. लाइसेंस दिनांक 22 अक्टूबर 2026 के लिए एक दिन की अवधि हेतु निलंबित किया गया है।खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील की है कि वे खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय के दौरान निर्धारित स्वच्छता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। खाद्य निर्माण परिसर की नियमित सफाई, स्वच्छ उपकरणों का उपयोग, सुरक्षित कच्चे माल का चयन तथा खाद्य पदार्थों को दूषित होने से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें।विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और नियमानुसार कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा। नागरिक भी खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें तथा किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विभाग को इसकी सूचना दें।

पेंड्रा से बेंकटनगर की ओर आवागमन होगा सुगम, 3 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 4.77 करोड़ रुपए स्वीकृत

सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर यातायात सुविधा, आवागमन होगा अधिक सुविधाजनक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले में सड़क अधोसंरचना के विकास एवं आम नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विभाग द्वारा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गिरवर से पेंड्रा पहुंच मार्ग के 3 किलोमीटर लंबाई में सड़क निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 77 लाख 83 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस सड़क के निर्माण से विशेष रूप से पेंड्रा से बेंकटनगर की ओर आने-जाने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों एवं अन्य यात्रियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। सड़क मार्ग के सुदृढ़ होने से आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा। साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जिला मुख्यालय तथा



अन्य प्रमुख स्थानों तक पहुंच बेहतर होगी। कृषि उपज के परिवहन, व्यापारिक गतिविधियों एवं दैनिक आवागमन में भी सहूलियत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी स्वीकृति आदेश के अनुसार सड़क निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। विभागीय अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर नियमानुसार निविदा प्रक्रिया तथा निर्माण कार्य की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क सुविधा का विस्तार होगा। यह कार्य जिले में आधारभूत सुविधाओं के विकास और आम नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

धरसींवा में बैंक संतृप्ति शिविर का आयोजन

ग्रामीणों को मिली बैंकिंग एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता ➤ रायपुर

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा के तत्वावधान में रायपुर जिले के धरसींवा में बैंक संतृप्ति शिविर (सैचुरेशन कैंप) का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा, बीमा, पेंशन एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही योजनाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया।

कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक श्री प्रदीप गोधूले, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक श्री प्रखर कुमार, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के सहायक महाप्रबंधक श्री मनोज सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अंकित जायसवाल, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष केशरवानी तथा ग्राम पंचायत के सरपंच श्री साहिल खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।



शिविर में अतिथियों ने वित्तीय समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों का प्रत्येक पात्र नागरिक बैंकिंग सेवाओं से जुड़े और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करे। बैंक खाता, बीमा और पेंशन जैसी सुविधाएं न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नागरिकों से बैंकिंग सुविधाओं के प्रति जागरूक रहने और पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री जन-धन योजना सहित विभिन्न वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, री-केवाईसी, बैंक खातों में नामांकन तथा किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित सेवाओं के लिए नागरिकों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

शिविर में जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि के अंतर्गत बैंकों में दावा न की गई जमा राशि के संबंध में भी जानकारी दी गई। संबंधित खातों की पहचान, पात्र दावेदारों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी तथा दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के बारे में नागरिकों को अवगत कराया गया।

शिविर की विशेषता यह रही कि बैंकिंग सेवाओं के साथ विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा भी स्टॉल लगाए गए। कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा फसल बीमा योजना से संबंधित प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों एवं किसानों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।कृषि एवं फसल बीमा से संबंधित स्टॉलों पर किसानों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

अमेराटीकरा और अड़भाड़ में वित्तीय समावेशी कैम्प आयोजित

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिला अग्रणी बैंक द्वारा आज मरवाही विकासखण्ड के ग्राम अमेराटीकरा और पेण्ड्रा विकाखण्ड के ग्राम अड़भाड़ में वित्तीय समावेशी कैम्प आयोजित किया गया। शिविर में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक आरएस बघेल एवं भारतीय स्टेट बैंक पेण्ड्रा शाखा के मुख्य प्रबंधक सुजीत कुमार तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पेण्ड्रा के शाखा प्रबंधक विनय साहू ने ग्राम वासियों को बैंक की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अमेराटीकरा के शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राजेश नन्दनी आर्मो, जनपद सदस्य श्रीमती शिम्पी साहू, सरपंच श्रीमती ललिता परस्ते तथा अड़भाड़ के शिविर में सरपंच श्री



लालचंद सोनवानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में बैंकिंग कार्यों से जुड़ी महिलाओं को आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए गतिविधियों का विस्तार करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया गया।

उप मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा

संवाददाता ➤ बालोद

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा के प्रस्तावित दो दिवसीय बालोद प्रवास की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज समय-सीमा की बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान 23 अक्टूबर को प्रभारी मंत्री द्वारा ली जाने वाली समीक्षा बैठक और 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाले लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के लिए मिनट-टू-मिनट रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही विभागीय योजनाओं, विकास कार्यों और जिले की उपलब्धियों पर आधारित प्रेजेंटेशन (पीपीटी) तैयार करने के संबंध में भी प्रमुखता से चर्चा की गई।



कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने पीपीटी तैयार करने में संबंधित विभागों की धीमी तैयारी पर नाराजगी जताई। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि पीपीटी प्रेजेंटेशन को अगले दिन प्रथम पाली में ही तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रेजेंटेशन में अनावश्यक विस्तृत जानकारी के बजाय जिले की प्रमुख उपलब्धियों, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति और महत्वपूर्ण परिणामों को संक्षिप्त एवं तथ्यपरक तरीके से प्रस्तुत किया जाए।

उप मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों में जुटा बालोद जिला प्रशासन, कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

23 और 24 अक्टूबर को दो दिवसीय प्रस्तावित दौरे के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन एवं लोकार्पण

संवाददाता ➤ बालोद

जिले में आगामी 23 और 24 अक्टूबर को उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा के दो दिवसीय प्रवास को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस दौरान विभिन्न विभागों के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल और सुचारू आयोजन के लिए कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

कार्यक्रम में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और हितग्राहियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर मॉडल विलेज नारागांव, एमवीएस, प्रोजेक्टर दिनकर और विज्ञान केंद्र से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

शासकीय योजनाओं और महिला सशक्तिकरण पर रहेगा जोर

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत नारागांव की वेंडर दीदियों के सम्मान की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा तथा बेटी ञ्चह्लद्बशह्वह्य कार्यक्रम के संचालन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरण की व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं, ताकि योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सके।

सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं के लिए निर्देश

कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात और पार्किंग की व्यवस्था पुलिस अधीक्षक, बालोद द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की तैनाती, विभागीय समन्वय और मंच पर बैठने की व्यवस्था का दायित्व अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बालोद को सौंपा गया है।लोक निर्माण विभाग और संबंधित विद्युत विभाग मंच निर्माण, बैरिकेडिंग, ध्वनि व्यवस्था, कूलर-पंखे तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल व्यवस्था तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को चिकित्सा शिविर और एंबुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री आवास एवं राजस्व संबंधी लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में करें कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का सर्वोच्च प्राथमिकता से करें निराकरण :

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का सर्वोच्च प्राथमिकता से करें निराकरण : कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा

राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा, 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर सजेगी विभागीय प्रदर्शनी

संवाददाता ➤ धमतरी

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना एवं राजस्व विभाग से संबंधित लंबित प्रकरणों को



गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतें आम नागरिकों की समस्याओं और अपेक्षाओं से जुड़ी होती हैं। इसलिए अधिकारी शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रकरणों में पात्र हितग्राहियों की समस्याओं, आवास निर्माण एवं योजना से संबंधित शिकायतों का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया जाए। इसी प्रकार राजस्व संबंधी मामलों में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रकरणों का नियमानुसार समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा कर निराकरण की प्रगति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

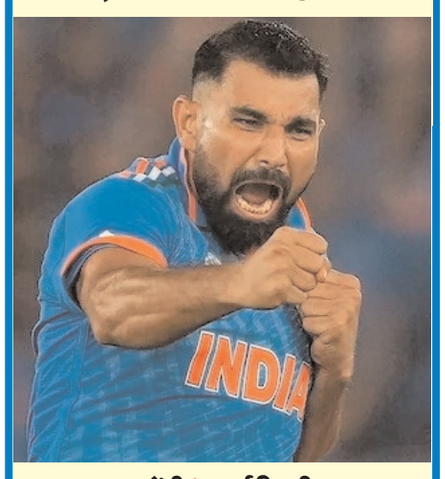
बैठक में कलेक्टर ने कृत्रिम गर्भाधान, पशु उपचार, बैंक संबंधी प्रकरणों तथा एग्रीस्टेक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मत्स्य पालन, मखाना उत्पादन तथा औषधीय फसलों का रकबा बढ़ाने सहित कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की प्रगति की जानकारी लेकर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर श्री मिश्रा ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर 2026 को जिला मुख्यालय धमतरी में आयोजित होने वाले एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का आपसी समन्वय से निर्वहन करते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष प्रदर्शनी की मुख्य थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' होगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विभागीय स्टॉलों में योजनाओं की जानकारी आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं जनोपयोगी ढंग से प्रस्तुत की जाए। स्टॉलों में एकरूपता बनाए रखने के लिए समान डिजाइन एवं आकार के फ्लेक्स लगाए जाएं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आयोजन स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, विद्युत, साउंड सिस्टम, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग एवं सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने को कहा। स्कूल एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को शालीन एवं गरिमामय रखने तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दर्शकों, अतिथियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था के साथ स्वास्थ्य सेवाएं, एम्बुलेंस एवं अन्य आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध रखने पर भी जोर दिया।

न्यूजीलैंड दौरे से पत्ता कटने के बाद रणजी से क्यों हटे शमी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस खबर ने फैन्स के बीच चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है। न्यूजीलैंड दौरे के लिए किसी भी फॉर्मेट में मोहम्मद शमी का चयन नहीं किया गया था।बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने यह साफ कर दिया है कि शमी पूरी तरह से फिट हैं। लेकिन उन्होंने खुद ही सर्विसेज के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच से आराम की मांग की थी। न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के कुछ ही घंटों बाद मोहम्मद शमी का रणजी मैच की प्लेइंग-11 से बाहर रहना चर्चा का विषय बन गया था।कल्याणी में खेले गए पिछले मुकाबले की पहली पारी में 4 विकेट चटकाने वाले शमी को जब इस बार मैदान पर नहीं देखा गया तो तरह-तरह के सवाल उठने लगे थे। इस पर बात करते हुए बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने रविवार को कहा कि शमी फिट हैं, उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने पिछले राउंड में दिल्ली के खिलाफ बहुत ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने खुद ही आराम मांगा था। वह एक चीता हैं। शमी के आराम करने से हमें नए चेहरों को आजमाने का मौका भी मिलता है। आपको बता दें कि चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से ही शमी ने भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है और वह लगातार अपनी फिटनेस को साबित करने में लगे हुए हैं।

बंगाल और सर्विसेज मुकाबले का हाल

दूसरी ओर दिल्ली में खेले जा रहे बंगाल और सर्विसेज के रोमांचक मुकाबले में गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला है। बंगाल की टीम अपनी दूसरी पारी में 52।5 ओवरों में महज 146 रन पर सिमट गई, जिसमें कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 30, अभिषेक पोरेल ने 25 और सुदीप कुमार घरामी ने 23 रनों का योगदान दिया।

कोरोनाडो के समुद्र तट पर पहुंचतीं



अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित कोरोनाडो के समुद्र तट पर पहुंचतीं कैथरीन ब्रीड. उन्होंने करीब 900 मील की तैराकी पूरी कर यह सफर तय किया. लंबी दूरी की इस तैराकी के बाद समुद्र तट पर पहुंचने का पल उनके लिए खास रहा

28 अक्टूबर को होगा ऑक्शन



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग2027 के ऑक्शन का आयोजन 28 अक्टूबर को कोच्चि में होगा। इस नीलामी में भारतीय बल्लेबाज जी कमलिनी, ऑलराउंडर स्नेह राणा, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू समेत कुल 146 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। हालांकि, फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए सिर्फ 27 स्लॉट उपलब्ध हैं।ऑक्शन पूल में 119 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें 22 कैप्ड और 97 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। घरेलू खिलाड़ियों के लिए सिर्फ 20 स्लॉट खाली हैं। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की सूची में 27 नाम हैं, जिनमें एसोसिएट देशों की छह खिलाड़ी भी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कुल सात स्लॉट उपलब्ध हैं। इस सूची में 14 कैप्ड और 13 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं।नीलामी में सबसे ज्यादा बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा गया है। इस श्रेणी में सिर्फ दो खिलाड़ी हैं- इंग्लैंड की सोफिया डंकली और ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू। मोलिन्यू को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रिलीज कर दिया था।

गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड, जबकि तेजलबेन डामोर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

प्रणव, सिमरन, दीप्ति और निषाद का जलवा

एजेंसी ➤ नागोया

एशियन पैरा गेम्स में प्रणव सूरमा ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में 11।66 मीटर के एशियन रिकॉर्ड थ्रो के साथ गोल्ड जीता। महिलाओं की 200 मीटर ञ्च12 रेस में सिमरन ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड, जबकि तेजलबेन डामोर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एशियन पैरा गेम्स में मंगलवार को भारत के प्रणव सूरमा ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो की संयुक्त स्र51/52/53 स्पर्धा में एशियन रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि भारत के ही राम रतन सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। वहीं, महिलाओं की 200 मीटर ञ्च12 रेस में सिमरन ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि डेब्यू कर रहीं तेजलबेन डामोर ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।



32 साल के प्रणव सूरमा ने अपने चौथे प्रयास में 11।66 मीटर का थ्रो करके नया एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने चीन में हुए पिछले एशियन पैरा गेम्स में क्लब थ्रो स्र51 स्पर्धा का गोल्ड मेडल जीता था। इस बार उन्होंने डिस्कस थ्रो में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की। 31 साल के राम रतन सिंह ने अपने दूसरे प्रयास में 10।35 मीटर की दूरी हासिल करके सिल्वर मेडल जीता। प्रणव और राम रतन दोनों स्र51 कैटेगरी के खिलाड़ी हैं।

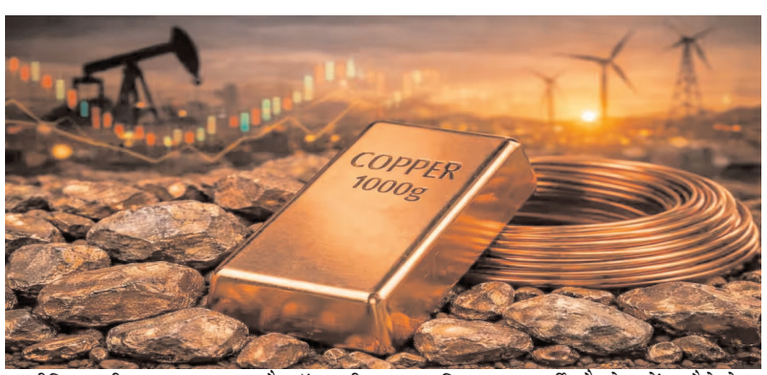
ईरान के अलीरेजा हेमामी ने स्र53 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने चौथे प्रयास में 20।20 मीटर का थ्रो किया। उनकी दूरी प्रणव और राम रतन के मुकाबले काफी ज्यादा थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। दरअसल, अलग-अलग कैटेगरी के खिलाड़ियों के बीच संयुक्त स्पर्धा में पदक विजेताओं का फैसला रजा पॉइंट सिस्टम के आधार पर किया जाता है।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्ष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्रस्र एजुकेशन की



ष्टश्वह्र रह चुकी हैं और स्र्द्बष्ठ व ह्लष्टश्वत्रह्म के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



फॉर्म छह का 'अवैध' इस्तेमाल

अभी तो चुनाव आयोग को सर्वोच्च अदालत के सवालों के जवाब देने हैं, लेकिन उसके भीतर ही नए, गंभीर विरोधाभास उभर आए हैं। ताजातरीन मामला महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम का है। उन्होंने चुनाव आयोग को सुझाव भेजा है कि फॉर्म 6 से 'नए मतदाता के लिए' शब्द हटा दिए जाएं, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। मतदाताओं के दोबारा पंजीकरण के लिए भी फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, जबकि घोषित, कानूनी रूप से फॉर्म 6 उन्हीं से भरवाया जाना चाहिए, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार मतदाता बन रहे हों। जिन पुराने मतदाताओं के नाम 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान छूट गए अथवा काट दिए गए, उनसे भी फॉर्म 6 भरवा कर 'गलत घोषणा' कराई जा रही है कि वे पहली बार मतदाता बन रहे हैं। वे इससे पहले कभी भी मतदाता नहीं रहे। यही गंभीर, कानूनी विरोधाभास है। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 के मुताबिक, फॉर्म 6 में 'गलत घोषणा' करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मतदाता को 1 साल की जेल हो सकती है। जुर्माने का भी प्रावधान है। जेल और जुर्माने की सजाएं एक साथ भी दी जा सकती हैं। विरोधाभास के साथ सवाल भी है कि चुनाव आयोग फॉर्म 6 की व्यवस्था बदल नहीं रहा और एक राज्य के सीईओ सरीखे शीर्ष अधिकारी ने मौजूदा शब्दावली और व्यवस्था को 'गलत, अवैध' करार देते हुए उसे बदलने का प्रस्ताव भेजा है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव कर सकता है? क्या पुराने मतदाताओं से भी, दोबारा पंजीकरण के लिए, फॉर्म 6 जबरन भरवाया जा रहा है? फॉर्म 8 के जरिए ये पंजीकरण क्यों नहीं किए जा रहे? दरअसल चुनाव आयोग फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव नहीं कर सकता।उसके लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय 1960 के कानून के तहत संशोधन या बदलाव करके उसकी अधिसूचना जारी कर सकता है।

(एक नजर)

पुरानी तकनीक, नया धमाका

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला द्वारा पेश की गई रोडस्टर कार ने ऑटोमोबाइल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की दुनिया में तहलका मचा दिया है। इस कार के अनावरण के दौरान दिखाए गए कारनामों ने लोगों को हैरान कर दिया, जिसमें उल्टे रैंप पर कार का गाड़ी चलाना, हवा में पलटना और थ्रस्टर की मदद से उतरना शामिल है। विश्लेषकों का मानना है कि यह तकनीक पूरी तरह नई नहीं है, बल्कि दशकों पुरानी रेसिंग और अंतरिक्ष तकनीक का आधुनिक रूप है। आइए जानते हैं कि क्या रोडस्टर में 1920 या 1930 के दशक की किसी तकनीक का उपयोग हुआ है? अंतरिक्ष के स्टीयरिंग इंजन यानी थ्रस्टर कैसे काम करते हैं? इनका इतिहास क्या रहा है?यदि हम सीधे देखें तो टेस्ला रोडस्टर में उपयोग की गई प्रमुख तकनीकें- जैसे वैक्यूम-सील्ड अंडरबॉडी सक्शन और कोल्ड-गैस थ्रस्टर- 1920 या 1930 के दशक की नहीं, बल्कि 1960 और 1970 के दशक की हैं। वैक्यूम सक्शन तकनीक का सबसे स्पष्ट और पहला रेसिंग उदाहरण जिम हॉल द्वारा 1970 में बनाई गई चैपल 2जे कार थी।वहीं, अंतरिक्ष कार्यक्रमों में उपयोग होने वाले कोल्ड-गैस रिएक्शन-कंट्रोल थ्रस्टर 1960 के दशक के मर्करी और जेमिनी प्रोजेक्ट्स से आए हैं।

विचार

ग्रे वाटर प्रबंधन - समस्या से समाधान तक

अरविंद गुलेरियां
लेकरव

ग्रामीण भारत में ग्रे वाटर प्रबंधन का महत्व विशेष रूप से बढ़ गया है। घर-घर नल से जल पहुंचने के साथ घरेलू अपशिष्ट जल की मात्रा भी बढ़ रही है। सरकारी स्रोतों के अनुसार घरेलू उपयोग में आने वाले पानी का लगभग 70 प्रतिशत तक हिस्सा ग्रे वाटर के रूप में बाहर निकल सकता है। यदि इसका वैज्ञानिक प्रबंधन न किया जाए तो गांव की गलियों में जलभराव, दुर्गंध, मच्छरों की वृद्धि तथा तालाबों और अन्य जल स्रोतों के प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए जल आपूर्ति के साथ-साथ अपशिष्ट जल के प्रबंधन को भी ग्रामीण जल सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

पहाड़ी क्षेत्रों में ढाल, भूमि की उपलब्धता और भू-स्खलन की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन तैयार करना महत्वपूर्ण हैज्रे वाटर यानी धूसर जल वह अपशिष्ट पानी है जो हमारे घरों में रसोई, स्नानघर, कपड़े धोने और बर्तन साफ करने से निकलता है, जिसमें शौचालय का पानी शामिल नहीं होता। वर्तमान समय में जल संकट का सामना कर रहे भारत के लिए ग्रे वाटर का सही प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुका है। भारत में कुल घरेलू जलापूर्ति का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा ग्रे वाटर में बदल जाता है। जल जीवन मिशन के आंकड़ों के अनुसार केवल ग्रामीण भारत में ही प्रतिदिन 31000 मिलियन लीटर से अधिक ग्रे वाटर बनता है। यदि इस पानी को बिना किसी उपचार के गलियों या खुले नालों में बहने दिया जाए, तो यह मच्छरों के पनपने, मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियों के फैलने और मिट्टी तथा भूजल को दूषित करने का कारण बनता है। ग्रामीण भारत में ग्रे वाटर प्रबंधन का महत्व विशेष रूप से बढ़ गया है। घर-घर नल से जल पहुंचने के साथ घरेलू अपशिष्ट जल की मात्रा भी बढ़ रही है। सरकारी स्रोतों के अनुसार घरेलू उपयोग में आने वाले पानी का लगभग 70 प्रतिशत तक हिस्सा ग्रे वाटर के रूप में बाहर निकल सकता है। यदि इसका वैज्ञानिक प्रबंधन न किया जाए तो गांव की गलियों में जलभराव, दुर्गंध, मच्छरों की वृद्धि तथा तालाबों और अन्य जल स्रोतों के प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए जल आपूर्ति के साथ-साथ अपशिष्ट जल के प्रबंधन को भी ग्रामीण जल सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के द्वितीय चरण में ग्रे वाटर प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता दी गई है।मिशन के अंतर्गत ग्रे वाटर का प्रबंधन ओडीएफ प्लस गांवों की दिशा में एक महत्वपूर्ण घटक है। इसके लिए स्रोत के निकट सरल और कम लागत वाली तकनीकों



जैसे सोख्ता गड्ढा, लीच पिट, मैजिक पिट और किचन गार्डन आधारित प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाता है। जहां घरेलू स्तर पर पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां सामुदायिक स्तर पर वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड, निर्मित आर्द्रभूमि और विकेंद्रीकृत उपचार प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। इसका मूल सिद्धांत कम उपयोग, पुन-उपयोग और पुनर्भरण है। भारत में ग्रे वाटर प्रबंधन के लिए सुजलाम अभियान भी महत्वपूर्ण पहल रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सुजलाम अभियान के विभिन्न चरणों के दौरान 2021 से 2023 के बीच लगभग 50 लाख सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया। इसका उद्देश्य गांवों में ग्रे वाटर के ठहराव को कम करना, स्थानीय स्तर पर पानी का प्रबंधन करना तथा जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना था। ग्रे वाटर प्रबंधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका पुन-उपयोग है। उपचारित पानी का उपयोग बागवानी, वृक्षारोपण और अन्य उपयुक्त गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। इससे ताजे पानी की मांग कम होती है और उपलब्ध जल संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग संभव होता है। जल जीवन मिशन की अवधारणा में भी गांव की जल आपूर्ति व्यवस्था के साथ ग्रे वाटर के उपचार और पुन-उपयोग को जोड़ा गया है तथा ग्राम पंचायत या उसकी उपसमिति को इसके प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। भारत में इसके कई सफल उदाहरण भी सामने आए हैं।

महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी विकास खंड के करंजवन गांव में लगभग 5256 लोगों से उत्पन्न करीब एक लाख लीटर ग्रे वाटर प्रतिदिन के उपचार के लिए छोटी पाइपलाइन आधारित निकासी व्यवस्था और लगभग आधे एकड़ क्षेत्र में वेस्ट स्टेबिलाइजेशन पोंड

विचार

स्तरहीन उच्च शिक्षा का काला साया

डा. वरिंद्र भाटिया
लेखक

सुनने में आता है कि कुछेक तो एक बार नोट्स बना लेते हैं और बीस-बीस वर्ष छात्रों को वही बासी रोटी परोसते रहते हैं। न खुद अपडेट होते हैं, न छात्रों को अपडेट करते हैंकॉलेज और उच्च शिक्षा में पढ़ाई की अकादमिक गुणवत्ता में आ रही गिरावट एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक मुद्दा है। स्तरहीन उच्च शिक्षा के कारण ही स्कूल शिक्षा पूरी करने के बाद अधिकतर छात्र बड़े शहरों में या फिर विदेश में बेहतर शिक्षा के लिए जा रहे हैं। स्तरहीन और हल्की गुणवत्ता की उच्च शिक्षा वर्तमान समय में वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चिंता का विषय है। जब किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली डिग्री बांटने वाले कारखानों में बदल जाती है और व्यावहारिक ज्ञान देने में विफल रहती है, तो उसे स्तरहीन शिक्षा कहा जाता है। शिक्षा का तेजी से बाजारीकरण हुआ है।

क्या उचित कदमों से सरकारों द्वारा संस्थानों दी जा रही वित्तीय सहायता को और ज्यादा तर्कसंगत नहीं बनाया जा सकता? उच्च शिक्षा से जुड़े हर शिक्षक को स्वयं लगातार पढने वाला व्यक्ति होना चाहिए। जिस किसी शिक्षक ने वर्षों से कोई नई पुस्तक, शोधपत्र या विषय-संबंधी सामग्री गंभीरता से नहीं पढ़ी, उससे विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा पैदा करने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। सुनने में आता है कि कुछेक तो एक बार नोट्स बना लेते हैं और बीस-बीस वर्ष छात्रों को वही बासी रोटी परोसते रहते हैं। न खुद अपडेट होते हैं, न छात्रों को अपडेट करते हैंकॉलेज और उच्च शिक्षा में पढ़ाई की अकादमिक गुणवत्ता में आ रही गिरावट एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक मुद्दा है। स्तरहीन उच्च शिक्षा के कारण ही स्कूल शिक्षा पूरी करने के बाद अधिकतर छात्र बड़े शहरों में या फिर विदेश में बेहतर शिक्षा के लिए जा रहे हैं। स्तरहीन और हल्की गुणवत्ता की उच्च शिक्षा वर्तमान समय में वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चिंता का विषय है। जब किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली डिग्री बांटने वाले कारखानों में बदल जाती है और व्यावहारिक ज्ञान देने में विफल रहती है, तो उसे स्तरहीन शिक्षा कहा जाता है। शिक्षा का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। कई निजी कॉलेज और विश्वविद्यालय केवल मुनाफे के लिए चल रहे हैं, जहां पढ़ाई से ज्यादा ध्यान फीस वसूलने पर होता है। ये उच्च शिक्षा में स्तरहीनता को बढ़ा रहे हैं। आजकल अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा वित्तीय मजबूरी के चलते ओपन दाखिला प्रणाली को शुरू कर यानी कि रवायती कॉलेज कोर्स खुद शुरू करके इन पुराने कॉलेज छात्रों की संख्या को कमजोर कर दिया गया है इसका नतीजा यह हो रहा है कि छोटे कस्बों और छोटे शहरों के अनेक कॉलेज छात्रों की एनरोलमेंट के लिए तरस रहे हैं और धीरे धीरे पैसों की कमी के चलते बंद होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उच्च शिक्षा के स्तरहीन होने के अनेक प्रशासनिक कारण भी हैं। कुछ रिपोर्ट बताती है कि कई संस्थानों में प्रभावी प्रशासन का अभाव है और शिक्षण और प्रशासनिक कार्यों में शिथिल स्टाफ की जवाबदेही तय नहीं हो पाती है। अनेक राज्यों में रेगुलर कॉलेज प्रिंसिपल और वांछित शिक्षक ही नहीं हैं। मेधावी व्यक्ति कई बार शिक्षण कार्य को अन्य विकल्पों में सफलता न मिलने पर अंतिम विकल्प के रूप में चुन लेते हैं।ऐसे में ये लोग शायद अपने काम से न्याय नहीं कर पाते हैं। आज भी बहुसंख्या में छात्र केवल समय बिताने या



डिग्री हासिल करने के लिए दाखिला लेते हैं। उनकी विषय की गहराई में जाने में कोई रुचि नहीं होती, न ही उन्हें क्लास हाजिरी की फिक्र होती है। कॉलेज और विश्वविद्यालयों को फीस देने वाले छात्र चाहिए, चाहे वे छात्र कैम्पस में आएं या न आएं, क्लास लगाएं या न लगाएं। यह सभी राज्यों में देखा जा रहा है। डिजिटल मोड ऑफ लर्निंग के चलते क्लासरूम पढ़ाई की मौलिकता और प्रासंगिकता भी खत्म होती जा रही है। यह शिक्षा की वह पारंपरिक और बुनियादी नींव है, जिसे डिजिटल युग की तकनीकें भी पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकतीं। क्लासरूम सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने की जगह नहीं है, बल्कि यह एक छात्र के सर्वांगीण विकास का प्राथमिक केंद्र है। क्लासरूम में छात्र और शिक्षक के बीच सीधा संवाद होता है। छात्र अपने प्रश्नों का उत्तर तुरंत पा सकते हैं, जिससे सीखने की गति और स्पष्टता बढ़ती है। एक शिक्षक छात्र के चेहरे के हाव-भाव देखकर समझ सकता है कि उसे विषय समझ आ रहा है या नहीं, जो ऑनलाइन स्क्रीन पर संभव नहीं है। छात्र अपने हमउम्र साथियों के साथ बैठते हैं, जिससे उनमें टीम वर्क, सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए बच्चों के साथ रहकर वे सामाजिक ताने-बाने और आपसी सम्मान को सीखते हैं। क्लासरूम का एक तय समय और समय-सारणी होती है, जो छात्रों के जीवन में समय प्रबंधन और अनुशासन की भावना पैदा करती है। घर के वातावरण की तुलना में क्लासरूम का माहौल पढ़ाई के लिए अधिक अनुकूल होता है, जिससे ध्यान भटकने की संभावना कम होती है। क्लासरूम में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के मूल्य सिखाए जाते हैं। शिक्षक एक रोल मॉडल के रूप में छात्रों को ईमानदारी, धैर्य और कड़ी मेहनत की प्रेरणा देते हैं। एक समय था जब माना जाता था कि अच्छी कॉलेज डिग्री मिलने के बाद अच्छी नौकरी और बेहतर सैलरी लगभग तय होती है। लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं।केवल डिग्री हासिल करना ही सफलता की गारंटी नहीं रह गया है। आज मार्किट, मार्कशीट से ज्यादा स्किल और काम करने की क्षमता को महत्व दे रही हैं। इससे आने वाले वक्त में रवायती कॉलेज चल नहीं पाएंगे, इनका तो अब भी बुरा हाल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कमजोर और कम संख्या वाले कॉलेज एकीकृत किए जाने की बात कही गई है। इस दिशा में काम किए जाने की जरूरत है। छोटे छोटे गांवों और छोटे छोटे कस्बों में निजी हितों की पूर्ति के लिए पचास, सौ से भी कम छात्र संख्या के कॉलेज खोलने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का ग्राफ गिर रहा है। कई कॉलेज ऐसे हैं जहां टीचर का वर्क लोड ग्रांट इन ऐड के अनुरूप नहीं है। कई कॉलेज बजट बचाने के लिए कम योग्य शिक्षकों से काम कराते हैं, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता गिरती है। आज भी कई विश्वविद्यालयों में दशकों पुराना सिलेबस पढ़ाया जा रहा है।

विचार

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां

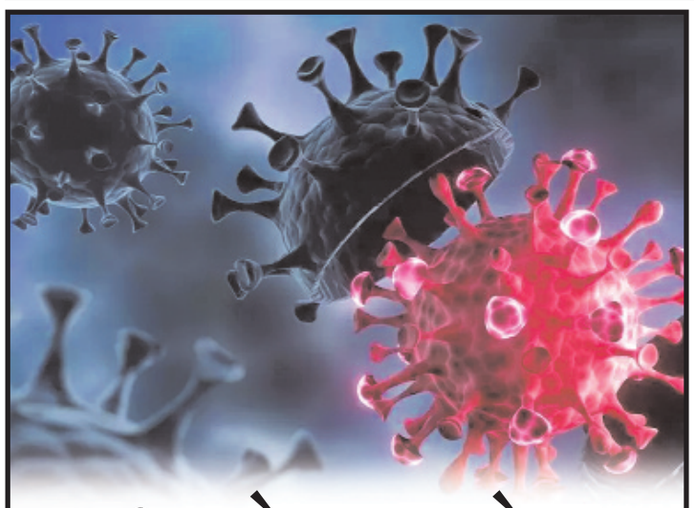
ललित गर्ग
लेखक

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से



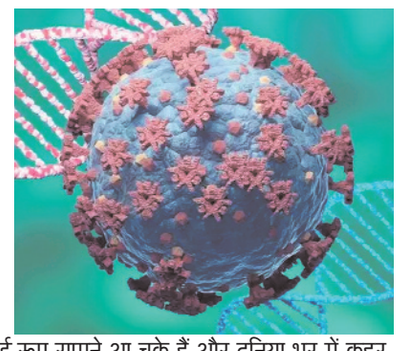
विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है।कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए।



सावधानः डेल्टा प्लस के बाद आ रहे कोविड-19 के नए वेरिएंट लापरवाही पड़ सकती है भारी

कोविड की दूसरी लहर में डेल्टा वेरिएंट ने अपना जबरदस्त कहर बरपाया है लेकिन आने वाले वक्त में कुछ और नए वेरिएंट्स का प्रसार हो सकता है। कोविड-19 के डेल्टा वेरिएंट के बाद भी म्यूटेशन जारी है और अब बताया जा रहा है कि आने वाले वक्त में नए वेरिएंट पैदा होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जब कोई वायरस खुद की नकल करता है या अपने ही फीचर का निर्माण करता है तो कभी-कभी उसमें थोड़ा बदलाव देखने को मिलता है, जो एक वायरस के लिए सामान्य है। इन्हीं परिवर्तनों को म्यूटेशन कहा जाता है। जैसा कि आप सभी जानते ही हैं कि नोवेल कोरोनावायरस की शुरुआत के बाद से इसके कई रूप सामने आ चुके हैं और दुनिया भर में कहर बरपा रहे हैं। डेल्टा वेरिएंट को दूसरी लहर का जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके बाद अब एक नया स्ट्रेन, डेल्टा प्लस में बदल गया है जो बहुत घातक बताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डेल्टा और डेल्टा प्लस वेरिएंट के अलावा कई नए कोविड वेरिएंट को सूचीबद्ध किया है जो धीरे-धीरे आ रहे हैं।



लैम्ब्डा वेरिएंट

लैम्ब्डा वैरिएंट का पहली बार पेरू में अगस्त 2020 में पता चला था और तब से लगभग 29 देशों में इसकी सूचना दी गई है। विशेषज्ञों का दावा है कि इस प्रकार के स्पाइक प्रोटीन में कई म्यूटेशन देखे गए हैं, जो इसकी ट्रांसमिसिबिलिटी यानी संक्रमकता की दर काफी अधिक बढ़ा देती है। यूनाइटेड किंगडम ने पिछले सप्ताह डेल्टा कोविड-19 संस्करण के 35,204 नए मामले दर्ज किए। वहीं पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने इसके अलावा 23 फरवरी से 7 जून तक लैम्ब्डा वेरिएंट के छह मामलों की सूचना दी है।

कल्पा वेरिएंट

SARs-COV-2 वायरस का कप्पा वेरिएंट पैंगो वंश B.617.1 के तीन उप-वर्गों में से एक है। इसे B.617.1 के नाम से भी जाना जाता है और भारत में पहली बार दिसंबर 2020 में इसका पता चला था। ये म्यूटेशन वायरस के दो वेरिएंट्स E484Q और E484K के जरिए हुआ है, जो कि ब्राजील और दणिक्ष अफ्रिका में तेजी से फैल रहे हैं। इसमें L452R म्यूटेशन भी शामिल है, जो वायरस को हमारे शरीर के इम्यून रिस्पॉन्स से बचने में मदद करता है।

B.11.318

कथित तौर पर कोविड के कप्पा वेरिएंट की तरह ही B.11.318 वेरिएंट E484K म्यूटेशन में शामिल है। भारत ने इस नए वेरिएंट के दो जीनोम अनुक्रमों की सूचना दी है।

जरूरी है सावधान रहना



ऐसे समय में जब कोविड के नए इतने सारे नए रूप सामने आ रहे हैं तब हमारी जिम्मेदारी है कि हमें सावधानी बरतनी चाहिए। मामलों की संख्या होते ही सभी सीमओं पर प्रतिबंध हटा दिए हैं और अनलॉक प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, ऐसे हालातों में हमें अवेयर रहने की ज्यादा जरूरत है। खासकर तब जब आप घर से बाहर निकल रहे हों तब आपको कोविड के सभी प्रोटोकॉल को फॉलो करना



गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

किसी सुपरफूड से कम नहीं है काला चावल, बीपी-शुगर में रामबाण

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।



आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों



चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।



इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं।

लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो



मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जशपुर में खेल अधोसंरचना का विस्तार, खिलाड़ियों को मिल रही आधुनिक सुविधाएं

'बास्केटबॉल के साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस के अभ्यास की मिलेगी सुविधा'

'3.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम से निखरेगी खिलाड़ियों की प्रतिभा'

'स्थानीय खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण का अवसर, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होंगे खिलाड़ी'

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री श्री साय के गृह जिले जशपुर में 3 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में विकसित हुआ है। आधुनिक खेल अधोसंरचना के विस्तार से जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नियमित अभ्यास करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं।



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 28 मार्च 2026 को जशपुर प्रवास के दौरान इस मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम का शुभारंभ किया था। स्टेडियम के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को विभिन्न इनडोर खेलों के अभ्यास के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हुआ है। विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय अंचलों से आने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए यह खेल परिसर अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रतिस्पर्धात्मक खेलों की तैयारी करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

'एक ही परिसर में बास्केटबॉल, शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस के अभ्यास की सुविधा'

जशपुर में निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में खिलाड़ियों को बास्केटबॉल के साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे खेलों के अभ्यास की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विभिन्न खेल विधाओं में रुचि रखने वाले बच्चों और युवाओं को अपनी पसंद के खेल में नियमित अभ्यास करने और कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। इनडोर स्टेडियम की सुविधा से खिलाड़ियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अभ्यास जारी रखने में सहूलियत होगी। बास्केटबॉल जैसे खेलों में शारीरिक क्षमता, गति और टीम भावना विकसित होती है, वहीं शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे खेल एकाग्रता, रणनीतिक सोच और मानसिक दक्षता को बढ़ावा देते हैं। एक ही परिसर में विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होने से जिले में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

'ग्रामीण और जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर'

जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां के बच्चे और युवा क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बास्केटबॉल और टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेलों में रुचि रखते हैं। इन प्रतिभाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना और नियमित अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराना उनके खेल कौशल को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के लिए यह सुविधा उपयोगी साबित होगी।

'मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खेलों को मिल रहा प्रोत्साहन'

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

जशपुर में 3.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे जिले में खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ने के साथ नियमित अभ्यास की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। आधुनिक खेल सुविधाओं की उपलब्धता से आने वाले समय में जशपुर के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों को मिल रही वैश्विक पहचान

विश्व धरोहर बनने की ओर सिरपुर का ऐतिहासिक कदम, यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुई छत्तीसगढ़ की प्राचीन सांस्कृतिक नगरी

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। महासमुंद जिले में पुण्य सलिला महानदी के तट पर स्थित प्राचीन नगरी सिरपुर को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची (ञ्जद्दठ्ठह्लड्डह्लद्ब1द्द स्द्धह्यह्ल) में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। प्राचीन मंदिरों, बौद्ध विहारों, दुर्लभ मूर्तिकला, स्थापत्य वैभव और धार्मिक सहिष्णुता की अनूठी परंपरा के लिए प्रसिद्ध सिरपुर अब विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।



विश्व धरोहर बनने की ओर सिरपुर का ऐतिहासिक कदम, यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुई छत्तीसगढ़ की प्राचीन सांस्कृतिक नगरी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा सांस्कृतिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सिरपुर का यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होना इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इस उपलब्धि से सिरपुर की ऐतिहासिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने तथा भविष्य में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया था सिरपुर का निरीक्षण

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 1 जनवरी 2026 को सिरपुर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों का अवलोकन किया था। इस दौरान उन्होंने सिरपुर की समृद्ध विरासत, प्राचीन स्मारकों और स्थापत्य कला की सराहना करते हुए इनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कार्य किए जाने तथा सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए प्राथमिकता से प्रयास करने की बात कही थी।

दक्षिण कोसल की राजधानी रहा सिरपुर, धर्म और संस्कृति का प्राचीन केंद्र

सिरपुर का इतिहास भारतीय सभ्यता, धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक समन्वय और स्थापत्य कला की अद्भुत विरासत को समेटे हुए है। प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से विख्यात यह नगर पाण्डुवंशी शासकों के शासनकाल में दक्षिण कोसल की राजधानी रहा। महानदी के तट पर स्थित यह नगर राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था।

सिरपुर की प्राचीनता के महत्वपूर्ण प्रमाण शरभपुरीय शासकों प्रवरराज और महासुदेवराज के ताम्रपत्रों से प्राप्त होते हैं। पाण्डुवंशी शासक महाशिवगुप्त बालार्जुन के लगभग 57 वर्षों के दीर्घ शासनकाल में सिरपुर ने सांस्कृतिक और स्थापत्य विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। इस काल में अनेक मंदिरों, बौद्ध विहारों, सरोवरों तथा उद्यानों का निर्माण हुआ।

सातवीं शताब्दी में प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी इस क्षेत्र की यात्रा की थी। उनके यात्रा विवरणों में यहां बौद्ध धर्म की समृद्ध परंपरा का उल्लेख मिलता है। उस काल में इस क्षेत्र में लगभग 100 बौद्ध संघाराम तथा महायान परंपरा के लगभग 10 हजार भिक्षुओं की उपस्थिति का वर्णन मिलता है।

छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा के लिए वीर जवानों का बलिदान अविस्मरणीय- वन मंत्री केदार कश्यप



संवाददाता ➤ रायपुर

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शांति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस के वीर जवानों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। विषम परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी।

वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य मंत्री श्री कश्यप ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर जगदलपुर स्थित अमर शहीद वाटिका में शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। श्री कश्यप ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा और समाज में शांति स्थापित करने के लिए पुलिस के जवान कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

वन मंत्री ने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने की पीड़ा अपूरणीय होती है। शहीद जवानों के परिजनों का धैर्य और साहस भी प्रेरणादायी है। शहीदों की स्मृतियों को संजोना और उनके परिवारों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना है। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, जगदलपुर नगर पालिक निगम के महापौर श्री संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में 12 दिन पहले शुरू हुआ सफारी सत्र

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में 12 दिन पहले शुरू हुआ सफारी सत्र

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में हुआ शुभारंभ

पर्यटक ले सकेंगे जिप्सी सफारी, कोटमसर गुफा और बम्बू राफ्टिंग का आनंद

संवाददाता ➤ रायपुर

बस्तर के प्रसिद्ध कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष पर्यटकों के लिए सफारी सत्र निर्धारित समय से 12 दिन पहले शुरू कर दिया गया है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही पर्यटक राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और विभिन्न साहसिक पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री उत्तम गुप्ता ने मंगलवार को सत्र का पहला टिकट जारी कर जिप्सी सफारी का शुभारंभ किया। मानसून के बाद शुरू हुए इस सत्र में पर्यटक कोटमसर गुफा, कांगेर धारा और प्रसिद्ध तीरथगढ़ जलप्रपात का भ्रमण कर सकेंगे। इसके साथ ही मांझीपाल में बम्बू राफ्टिंग और कयाकिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का भी आनंद ले सकेंगे।सफारी सत्र के समय से पहले शुरू होने से पर्यटकों को बस्तर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों और स्थानीय आजीविका को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।



'धुरवा जनजातीय नृत्य होगा विशेष आकर्षण'

पर्यटकों को बस्तर की जनजातीय संस्कृति से परिचित कराने के लिए कोटमसर बैरियर पर इको विकास समिति द्वारा धुरवा जनजातीय नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय संस्कृति को आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे।

अम्बिकापुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 26 अक्टूबर तक

अम्बिकापुर। जिले में 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन अम्बिकापुर के शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के क्रीड़ांगन में होगा। जिला प्रशासन एवं जिला आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता, कौशल और खेल भावना प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 23 अक्टूबर को दोपहर 12ः00 बजे आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री चिंतामणी महाराज होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रबोध मिंज करेंगे। सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रामकुमार टोप्पो विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

23 अक्टूबर से होगा आयोजन

सभी विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य

संवाददाता ➤ रायपुर

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रत्येक शुक्रवार को अनुभाग स्तर पर नियमित रूप से जनदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत आगामी 23 अक्टूबर शुक्रवार से प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 11 बजे संबंधित अनुभाग मुख्यालय में जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार उक्त जनदर्शन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इसमें संबंधित अनुभाग के समस्त विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, ताकि आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का विधिवत पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए आवेदक का नाम, आवेदन का विषय, संबंधित विभाग तथा निराकरण की स्थिति का व्यवस्थित अभिलेख संधारित किया जाएगा। जिन आवेदनों का निराकरण मौके पर संभव होगा, उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा। वहीं, शेष आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित कर निराकरण के लिए भेजा जाएगा।

लंबित आवेदनों की होगी समीक्षा

प्रत्येक जनदर्शन में पूर्व में प्राप्त लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा भी की जाएगी। आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों से कारण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जनदर्शन के निर्धारित दिवस, समय एवं स्थान का नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों तथा अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

जनदर्शन के बाद जिला कार्यालय को देना होगा प्रतिवेदन

प्रत्येक जनदर्शन के आयोजन के बाद संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कुल आवेदनों, मौके पर निराकृत आवेदनों, संबंधित विभागों को भेजे गए आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी।

14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा 45 वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सजेगा छत्तीसगढ़ का भव्य पवेलियन

संवाददाता ➤ रायपुर

नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें 'भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रांडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है, जो देश की आधुनिक प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है। हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों के लिए अपनी कला पर प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है।



औद्योगिक नीतियों और पर्यटन का प्रचार

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (जो इस पवेलियन का नोडल विभाग है) को 'नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030' एवं विभिन्न निवेश योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्यटन विभाग को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी और संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामोद्योग और हथकरघा

ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत हथकरघा बुनकर सहकारी संघ और 'शबरी' के माध्यम से हस्तशिल्प उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों को हथकरघा बुनकर सहकारी संघ एवं शबरी के माध्यम से उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु हस्तशिल्पियों द्वारा प्रदर्शन किए जाने के लिए विभागीय तैयारियों की जानकारी ली।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।